पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी से पूछताछ

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 180 ■ बुधवार 8 अक्टूबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ नपा प्रभाग आरक्षण लॉटरी आज

59
नगरसेवकों का आज खुलेगा भाग्य

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के लिए ओपन महिला नगराध्यक्ष पद आरक्षण की घोषणा के बाद बुधवार को नगरसेवक पद के लिए आरक्षण लॉटरी दोपहर 11 बजे अंबरनाथ नपा कार्यालय की पहली मंजल पर स्थायी समिति सभागृह में आयोजित की गई है. ऐसी घोषणा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने की है. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जमाति, ओबीसी और सर्वसाधारण महिला के लिए आरक्षण लॉटरी निकाली जाएगी. 9 अक्टूबर गुरुवार को प्रारूप आरक्षण

9 अक्टूबर को प्रारूप आरक्षण अधिसूचना जारी

अधिसूचना प्रसिद्ध की जाएगी. नागरिकों ने उस पर 14 अक्टूबर तक हरकत व सुझाव पेश करने के लिए कहा गया है. 24 अक्टूबर को अंतिम आरक्षण निश्चित होगा. 28 अक्टूबर को मुख्याधिकारी अंतिम

14 अक्टूबर को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित

आरक्षण की अधिसूचना जारी करेंगे. सन 2015 में अंबरनाथ नगर पालिका में 57 नगरसेवक, तो बदलापुर में 47 नगरसेवक थे. इस बार सन 2025 में पैनल तरीके से चुनाव होंगे. एक वार्ड में दो नगरसेवक होंगे. सदस्य की संख्या 59 होगी. बदलापुर की 49 होगी. अंबरनाथ में कुल 29 प्रभाग होंगे. एक वार्ड तीन नगरसेवकों का होगा. फिर से पांच वर्ष महिला नगराध्यक्ष की घोषणा होने के बाद पक्ष के इच्छुक पुरुष नेताओं ने मासूसी छा गई है. बुधवार को हो रहे प्रभाग आरक्षण के बाद ये पता चलेगा कि कौन-सा प्रभाग आरक्षित हो गया है और कौन सा ओपन है. जिन इच्छुक उम्मीदवारों ने गत 6 वर्षों से उम्मीदवारी की आस लगाए बैठे हैं, उनकी इच्छा पूरी होती भी है या नहीं, ये तो बुधवार को ही पता चलेगा. बुधवार को नपा कार्यालय के बाहर भीड़ होने की संभावना है.

खतरनाक इमारत का हिस्सा गिरा

■ उल्हासनगर मनपा के तोड़फोड़ कार्य के बीच हादसा टला

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सेक्शन 39 स्थित कैंप क्रमांक 5 में जानलेवा लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। साईं बाबा मंदिर के सामने पाँच मंजिला 'हरिओम पैलेस' इमारत को गिराने का काम चल रहा था, तभी इमारत का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया। यह हिस्सा हाई-वोल्टेज बिजली के तारों से टकराकर खंभे समेत गिर गया। भीषण आवाज और चिंगारियों के विस्फोट से पूरा इलाका दहल गया। घटना के समय इलाके में कोई भी नागरिक या कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसलिए एक बड़ा हादसा टल गया।

उल्हासनगर मनपा ने कैंप क्रमांक 5 स्थित साईं बाबा मंदिर के सामने दो खतरनाक इमारतों को गिराने का काम शुरू किया था। इनमें से एक इमारत को पहले ही गिरा दिया गया था, जबकि दूसरी इमारत को गिराने का काम चल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही महावितरण के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचे और बिजली आपूर्ति बंद कर स्थिति को नियंत्रण में किया।

एक कर्मचारी ने बताया कि अगर हमें मनपा से पूर्व सूचना मिलती, तो हम पहले ही बिजली आपूर्ति बंद कर सकते थे और आवश्यक सुरक्षा उपाय कर सकते थे। लेकिन कोई सूचना नहीं दी गई। हालाँकि, स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि तोड़फोड़ के दौरान कोई सुरक्षा बाड़, पुलिस बल या दमकल कर्मी मौजूद नहीं थे, जिससे यह हादसा जानलेवा हो सकता था। इस घटना से इलाके के दुकानदारों और नागरिकों में रोष व्याप्त है।

वार्ड समिति क्रमांक 4 की सहायक आयुक्त अलका पवार ने बताया कि कर्मचारियों को मौके पर भेज दिया गया है और स्थिति का जायजा लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनपा ने तोड़फोड़ के संबंध में विद्युत विभाग को पहले ही लिखित सूचना दे दी थी।

दिव्यांग सामग्री की ख़रीद में घोटाला!

■ बाज़ार भाव से 5 गुना ज़्यादा दाम पर हुई ख़रीदारी

उल्हासनगर. जाँच समिति की रिपोर्ट से स्पष्ट हो गया है कि मनपा द्वारा दृष्टिबाधित व्यक्तियों की ख़रीद में घोटाला हुआ है। समिति ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जाँच के आदेश दिए हैं और बताया जा रहा है कि सामग्री आपूर्ति करने वाला ठेकेदार भाजपा का पदाधिकारी है।

उल्हासनगर मनपा के दिव्यांग विभाग ने जून 2023 में दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए 84 साधारण और 54 स्मार्ट सैंडल ख़रीदे थे। जाँच समिति की रिपोर्ट में इस ख़रीद में घोटाले की बात सामने आई है और

संबंधितों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की माँग तेज़ हो गई है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने अतिरिक्त आयुक्त समेत संबंधित अधिकारियों को जाँच के आदेश दिए और एक जाँच समिति गठित की। समिति ने 26 सितंबर, 2025 को अपनी रिपोर्ट पेश की और दिव्यांग विभाग के प्रमुख, सहायक आयुक्त और उपायुक्त की जाँच पर अपनी राय व्यक्त करते हुए उन पर बाज़ार भाव से पाँच गुना ज़्यादा दाम पर साधारण और स्मार्ट सैंडल ख़रीदने का आरोप लगाया।

कुल मिलाकर, समिति की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दिव्यांग सामग्रियों की खरीद में घोटाला हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता स्वप्निल पाटिल ने दिव्यांग विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त और ठेकेदार को खरीद के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जांच समिति की रिपोर्ट में उल्हासनगर महानगरपालिका दिव्यांग विभाग द्वारा सामग्री की खरीद में भ्रष्टाचार का उल्लेख किया गया है।

समिति ने 26 सितंबर, 2025 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और आयुक्त ने रिपोर्ट में कहा कि खरीद में कई त्रुटियां थीं और सामग्री बाजार मूल्य से पांच गुना अधिक कीमत पर खरीदी गई थी। कहा जाता है कि अगर दिव्यांग विभाग द्वारा आज तक की गई सभी खरीद की जांच की जाती है, तो एक बड़ा घोटाला उजागर होगा। इस संबंध में आयुक्त क्या निर्णय लेंगे? इस पर सभी की नजर है। दिव्यांग विभाग के प्रमुख को दूसरे विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है और किसी अन्य अधिकारी की जांच का सुझाव दिया गया है। यही स्थिति महिला एवं बाल कल्याण विभाग, शिक्षा बोर्ड विभागों में भी है चर्चा है कि यह पदाधिकारी ही सारे लेन-देन पर नजर रख रहा है।

कल्याण के ईरानी बस्ती का सलमान पुलिस के जाल में

कल्याण. कल्याण के पास आम्बिवली बस्ती का कुख्यात अपराधी सलमान जाफरी उर्फ सलमान ईरानी को कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस ने किसी फिल्मी थ्रिलर की तरह ईरानी वस्ती से गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी के बाद, ईरानी वस्ती की महिलाएँ हमेशा की तरह एक समूह में आगे आईं और सलमान को पुलिस के चंगुल से छुड़ाने की कोशिश की। पुलिस ने उनके बावजूद सलमान को हिरासत में ले लिया। सलमान की गिरफ्तारी का यह रोमांच ईरानी वस्ती इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। सलमान के खिलाफ कल्याण, डोंबिवली, भिवंडी, मुंबई, बदलापुर, मीरा भयंदर, वसई, विरार, नवी मुंबई, पनवेल के पुलिस थानों में सोने की चेन चोरी के कुल 15 से ज़्यादा मामले दर्ज हैं।

कुछ दिन पहले पनवेल में सोने की चेन चोरी की एक घटना हुई थी। पनवेल पुलिस को सूचना मिली थी कि इस अपराध का आरोपी कल्याण के पास अंबिवली ईरानी बस्ती का निवासी है। खड़कपाड़ा पुलिस की अपराध जाँच टीम ईरानी बस्ती में सलमान जाफरी पर नज़र रख रही थी। जब वह अपने घर के बाहर टहल रहा था, तभी पहरे पर तैनात पुलिस ने सलमान पर झपट्टा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया. सलमान के पकड़े जाते ही ईरानी बस्ती की महिलाएँ सलमान को पुलिस के चंगुल से छुड़ाने के लिए पुलिस की ओर दौड़ पड़ीं। वे सलमान को छुड़ाने की बहुत कोशिश कर रही थीं। वे सलमान को छोड़ने पर अड़ी थीं। पुलिस ने सलमान को कसकर पकड़ रखा था। सलमान को पुलिस वाहन में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन लाया गया। फिर भी, बस्ती की कुछ महिलाओं ने पुलिस वाहन का पीछा करने की कोशिश की। सलमान को आगे की पूछताछ के लिए पनवेल पुलिस को सौंप दिया गया है।

पुलिस जांच में पता चला है कि ठाणे जिले के विभिन्न हिस्सों में सोने की चेन और अन्य सामान चुराने वाले ज्यादातर चोर ईरानी और शहर की विभिन्न झुग्गियों के लोग हैं। उपायुक्त अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त कल्याणजी घेटे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक डॉ. अमरनाथ वाघमोड़े, पुलिस निरीक्षक मारुति अंधाले, सहायक पुलिस निरीक्षक विजय गायकवाड़, उप-निरीक्षक विजय भालेराव, कांस्टेबल राजू लोखंडे, योगेश बुधकर, महेश बागड़, ललित शिंदे, संदीप भोईर, सूरज खंडाले की टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया।

सदाशिव पाटील राकांपा अजित पवार गुट में शामिल

अंबरनाथ। राकांपा शरद पवार गुट के शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटील कल राकांपा अजित पवार गुट में शामिल हो गए हैं। आगामी अंबरनाथ नगरपालिका चुनाव को देखते हुए सदा मामा पाटील ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ राकांपा अजित पवार गुट का दामन थामा है। उन्हें अंबरनाथ शहर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सदा मामा ने कहा कि मेरी पूरी कार्यकारिणी जिसमें सचिन पाटील, रुषाली ताई, डिस्लिवा के साथ महिला, युवा व कामगार संघटना के पदाधिकारियों ने राकांपा प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे की उपस्थिति में राकांपा अजित पवार गुट में प्रवेश किया है।

कबूतरों की बीट से फैल रही जानलेवा बीमारियाँ

उल्हासनगर. उल्हासनगर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भी अब पूरे शहर में फैल रही कबूतरों की बीट से जानलेवा बीमारियों के खतरे को उजागर किया है। सामाजिक संगठन 'एक हात मदतीचा' की पहल पर, कुछ डॉक्टरों ने नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर चेतावनी जारी की है और कबूतरों के भोजन पर प्रतिबंध लगाने की माँग की है।

इस पत्र पर जिला शल्य चिकित्सक और सेंट्रल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मनोहर बनसोडे, उल्हासनगर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजेश ठाकुर, आशीर्वाद अस्पताल के डॉ. श्रीकांत देशपांडे, बालाजी अस्पताल के डॉ. अशोक जोशी और साई आशीष अस्पताल की डॉ. रीता रोचलानी के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने लिखा है कि

हिस्टोप्लास्मोसिस, क्रिप्टोकॉकोसिस, सिटाकोसिस जैसी बीमारियाँ कबूतरों की बीट से होती हैं। ये बीमारियाँ फेफड़ों, मस्तिष्क और अन्य अंगों को प्रभावित करती हैं और मरीज की जान के लिए खतरा पैदा करती हैं।

डॉक्टरों ने स्पष्ट किया है कि कबूतरों को दाना डालना बंद करने, सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई करने और नागरिकों में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाना आवश्यक है।

अंबरनाथ के विकास कामों को जल्द पूरा करें

■ श्रीकांत शिंदे ने शहर के विकास कामों का लिया जायजा

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में जारी विकास कामों का निरीक्षण सोमवार को सांसद श्रीकांत शिंदे ने किया और अधिकारियों को हिदायत दी कि वह इन कामों को जल्द से जल्द पूरा करें. डॉ. श्रीकांत शिंदे ने अंबरनाथ सर्कस मैदान के नाट्यगृह, प्राचीन शिवमंदिर परिसर सुशोभिकरण प्रकल्प इन महत्वपूर्ण विकास कामों का जायजा लिया और अधिकारियों को नसीहत की कि वह इन कामों को पूरा करने के लिए गति दें.

साई सेक्शन विभाग के अटल सूर्योदय उद्यान का जल्द ही विकास किया जाएगा. इस उद्यान को भी उन्होंने जाकर देखा, नागरिकों से उन्होंने बातचीत भी की. बाद में सांसद ने कहा कि नागरिकों के सूचना अनुसार मैदान का निश्चित विकास किया जाएगा. निरीक्षक के बाद शिवसेना कार्यकर्ता मार्गदर्शन सम्मेलन में भी उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन किया. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव नजदीक है. इसलिए इस मार्गदर्शन शिविर में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ रही. उनके साथ विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, शिवसेना शहर अरविंद वालेकर, सुनिल चौधरी, अब्दुल शेख व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. शहर विकास कामों के निरीक्षण दौरे के समय उपरोक्त शिवसेना नेताओं के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबराव करंजुले पाटिल, नगर परिषद के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़, नपा के अधिकारी उपस्थित थे. सांसद श्रीकांत शिंदे के स्वागत के लिए शहर में नेताओं द्वारा बड़े बैनर लगाए गए थे. चुनाव से पूर्व हुए इस दौरे ने शिवसेना नेताओं में एक नया जोश भर दिया है.

वाहनों में तोड़फोड़ कर दहशत फैलाने वाला गिरोह गिरफ्तार

■ आरोपियों को छत्रपति संभाजी नगर और जालना से लाया गया

उल्हासनगर. चार दिन पहले, उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 5 स्थित तानाजी नगर इलाके में सुबह करीब साढ़े तीन बजे दस से बारह लोगों के एक हथियारबंद गिरोह ने सड़क पर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की। इस मामले में हिललाइन पुलिस ने कानूनी पचड़े में फंसे एक बच्चे समेत पाँच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

जानकारी के अनुसार, गरबा कार्यक्रम के दौरान दो गुटों में बहस हो गई। यह बहस मारपीट में बदल गई और तानाजी नगर के एक युवक ने दहा चॉल के एक युवक की पिटाई कर दी। बदला लेने के लिए, दहा चॉल के युवकों का एक समूह आधी रात के करीब कैंप क्रमांक 5 स्थित तानाजी नगर में घुस आया था।

इस हथियारबंद गिरोह ने चार मोटरसाइकिल, दो रिक्शा, दो टेम्पो समेत आठ से दस वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया था। इस मामले में हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इन आरोपियों की तलाश के लिए हिललाइन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप शिवले, पुलिस निरीक्षक सिद्धेश्वर कैलाश, सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश बेंडकुले, पुलिस उपनिरीक्षक संग्राम मालकर, की टीम छत्रपति संभाजी नगर और जालना जिले में भेजी गई थी। तकनीकी विश्लेषण के बाद रोशन रवि साल्वे, प्रीतम बालू प्रधान, श्याम उर्फ शाम्या बनकर और अनिकेत उर्फ टॉम कैलाश खरात को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, इस अपराध में सुभाष टेकड़ी क्षेत्र से कानूनी परेशानी में फंसे एक बच्चे को भी गिरफ्तार किया गया है। जब उन्हें अदालत में पेश किया गया, तो उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

2283 महिलाओं का लाभ रद्द किया गया

उल्हासनगर में महिला एवं बाल कल्याण विभाग के साथ बैठक

■ पानी व बिजली समस्या पर चर्चा

उल्हासनगर. लाड़की बहन योजना की समस्याओं के समाधान के लिए उल्हासनगर में महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों और नगरसेविकाओं के साथ बैठक की। शहर की लाखों महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से महिलाओं की ओर से खातों में पैसे न आने, ई-केवाईसी वेबसाइट बंद होने और अपात्रता की जानकारी न मिलने की काफी शिकायतें आ रही हैं। बैठक में सीपीडीओ विजय तावड़े ने समस्याओं का तुरंत समाधान करने का आश्वासन दिया। 8660 महिलाओं में से 5864 महिलाओं को दोबारा निरीक्षण के बाद पात्र बनाया गया है और 2283 महिलाओं का लाभ रद्द कर दिया गया है। अधिकारियों को जनजागरूकता बढ़ाने और पात्र-अपात्र लोगों की सूची तुरंत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महावितरण और जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ भी बैठक की और शहर के नागरिकों की समस्याओं को उठाया। बार-बार बिजली गुल होना, पानी का समय निश्चित न होना, असमय जलापूर्ति तथा पानी निकासी के दौरान बिजली गुल होना आदि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उल्हासनगर हत्याकांड के पाँच आरोपी 31 साल बाद बरी

कल्याण. उल्हासनगर शहर के सम्राट अशोकनगर इलाके में दिसंबर 1992 में हुए एक हत्याकांड के पाँच आरोपियों को कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश पी. एफ. सैय्यद ने 31 साल बाद बरी कर दिया। पुख्ता सबूतों के अभाव, जीर्ण-शीर्ण जाँच दस्तावेजों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के गायब होने के कारण जाँच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए अदालत ने इस मामले के सभी पाँचों आरोपियों को बरी कर दिया।

बरी किए गए आरोपियों के नाम सुरेश दीनानाथ उपाध्याय, गौतम महादेव गायकवाड़, मोहिद्दीन सिद्दीकी खान, कन्हैया बसन्ना कोली, कुमार चेतुमल नागरानी हैं। इन सभी पाँचों पर लकी प्रेमचंद भाटिया की हत्या का आरोप था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 16 दिसंबर 1992 को लकी भाटिया सड़क पर टहल रहे थे। उसी समय पाँच लोगों ने अचानक पीछे से धारदार हथियारों से उन पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस हमले के बाद हमलावर फरार हो गए।

भाटिया की ओर से उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी थी। इस मामले की जाँच करते हुए पुलिस ने विभिन्न सूचनाओं के

आधार पर सुरेश, गौतम, मोहिद्दीन, कन्हैया, कुमार को गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों पर हत्या और हत्या की साजिश जैसी भारतीय दंड संहिता की धाराएँ लगाई गई थीं। पुलिस ने इस हत्याकांड में 1994 में आरोप पत्र दाखिल किया था। हालाँकि, इन आरोपियों पर लगे आरोपों की पुष्टि दिसंबर 2024 में हुई।

शुरुआत में, गिरफ्तारी के बाद फरार ये आरोपी ज़मानत मिलने के बाद अदालती सुनवाई में कभी पेश नहीं हुए। इस वजह से इस मामले में सच्चाई सामने आने में रुकावटें आईं। इस महत्वपूर्ण हत्याकांड में आरोप पत्र और अन्य दस्तावेज़ घिसे-पिटे थे। घिसे-पिटे कागज़ों के कारण गवाहों के बयान अस्पष्ट थे। इस आरोप पत्र में कोई पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं थी। इस मामले में अपराध सिद्ध करने के लिए पुलिस के लिए समय रहते आवश्यक दस्तावेज़ जुटाना और आरोपियों के विरुद्ध पुख्ता सबूत जुटाना ज़रूरी था। हालाँकि, जाँच तंत्र इन सभी बातों को पूरा करने में नाकाम रहा। इस मामले में, शिकायतकर्ता के पिता हीरो मनोहर भाटिया और रामेश्वर भगवान गवई घटनास्थल के पंचनामा में गवाह थे।

शिकायतकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि हीरो मनोहर भाटिया वृद्धावस्था के कारण अदालत में उपस्थित नहीं हो सकते और किसी भी तरह से लाए जाने पर भी बोल नहीं सकते। इस मामले के गवाह भी अदालत में उपस्थित नहीं हो सकते। इसलिए, इस मामले की सुनवाई किस आधार पर की जाए, इस पर सवाल उठाते हुए, अदालत ने इस मामले के जर्जर दस्तावेज़ों और पुख्ता सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए इस मामले के सभी पाँचों आरोपियों को बरी कर दिया।

शहाड में पुश्तैनी ज़मीन का विवाद चरम पर

■ चाचा-भतीजे के परिवारों के बीच मारपीट, 3 के सिर फूटे

कल्याण. शहाड स्टेशन के पास कोलीवाड़ा में पुश्तैनी ज़मीन के विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। चाचा-भतीजे के परिवारों के बीच हुई इस हिंसक लड़ाई में पत्थर और हथियारों का इस्तेमाल किया गया। इस मारपीट में तीनों ने एक-दूसरे के सिर फोड़ दिए और पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। धाकटे शहाड कोलीवाड़ा इलाके में ज़मीन के विवाद को लेकर मारपीट हो गई। इस मारपीट में भतीजे पर लोहे के नुकीले हथियार से हमला भी हुआ। इस मारपीट में एक-दूसरे की जान बचाने के लिए

लड़ रहे तीन लोग घायल हो गए। इनमें से विनोद कोट गंभीर रूप से घायल है। विनोद अपने माता-पिता के साथ शहाड इलाके में रहता है। उसका अपने चाचा से पिछले कुछ सालों से पुश्तैनी ज़मीन को लेकर विवाद चल रहा है। शाम होते-होते विवाद बढ़ गया। विनोद के पिता दत्तात्रेय कोट जब घर की छत की सफाई कर रहे थे, तभी उनके चाचा ने उन्हें गलत समझ लिया। उनके चाचा ने छत पर पानी की टंकी लगाने का आरोप लगाते हुए बहस शुरू कर दी। यह बहस कुछ ही पलों में मारपीट में बदल गई। चाचा विष्णु कोट, चाची लीलाबाई कोट और उनके बेटे कुणाल कोट ने विनोद और उसके माता-पिता के साथ गाली-गलौज और मारपीट की।

इस दौरान बीच-बचाव कर रहे विनोद पर लोहे के नुकीले हथियार से बार-बार हमला किया गया। आंख के पास सिर में चोट लगने से विनोद गंभीर रूप से घायल हो गया। फिर भी, दोनों परिवारों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। तीन लोग मामूली रूप से घायल हुए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस ने दोनों परिवारों के खिलाफ परस्पर विरोधी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

मौसम का मिजाज हैरानी का कारण

आमतौर पर माना जाता है कि सितंबर की शुरूआत के बाद मानसून भारत से वापसी की राह पकड़ लेगा। मगर इस वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में एक बार फिर बारिश का कहर जिस रूप में सामने आ रहा है, उससे साफ है कि मौसम का मिजाज अब परंपरागत अनुमानों के मुताबिक नहीं रहा है। बल्कि इस वर्ष देश के कई राज्यों में जिस पैमाने पर बारिश हो रही है, वह पर्यावरणविदों के लिए भी हैरानी का कारण है। बारिश की प्रकृति में असामान्य रूप से तेज बदलाव और इससे होने वाले जानमाल के नुकसान ने बहुत सारे लोगों का ध्यान खींचा है।

पिछले कुछ समय से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड से लेकर पंजाब और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी बरसात ने अपना जैसा रंग दिखाया, वह अप्रत्याशित है। इसी क्रम में रविवार को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में बारिश ने जैसी तबाही मचाई है, वह डराने वाली है। लगातार बरसात की वजह से दार्जिलिंग में कई जगहों पर भयावह भूस्खलन हुआ, जमीन धंस गई। इसमें बीस से ज्यादा लोगों की जान चली गई। बीते दो-तीन दिनों में बिहार, बंगाल में भी बरसात के कारण बहुस्तरीय संकट पैदा हुआ है। इसके अलावा, नेपाल में भी बरसात, बाढ़ और भूस्खलन के कहर में पचास से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कई लोग अपने घरों में रहने से भी डरने लगे हैं। खासतौर पर हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष बादल फटने की जितनी घटनाएं सामने आईं, वैसा अब से पहले कभी नहीं देखा गया था। लोगों की नजर में यह अप्रत्याशित और चौंकाने वाला था। देश के अन्य जिन इलाकों में धान और अन्य खरीफ फसलें कटाई के चरण में हैं, वहां बारिश से हुई क्षति के बहुस्तरीय प्रभाव सामने आएंगे।

इस उथल-पुथल को बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दाब क्षेत्र बनने और उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ का नतीजा भी बताया गया है। मगर तेज रफ्तार से आते बदलाव और उथल-पुथल के संकेत बेहद खतरनाक दिख रहे हैं। संभव है कि मौसम की गति को रोका नहीं जा सकता, लेकिन बचाव के इंतजाम करके इससे होने वाले नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

युवाओं की समस्याओं का समाधान खोजें

21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत रहा है। आने वाले वर्षों में परिवर्तन की गति का अनुमान लगाना आसान नहीं। यह तेजी बढ़ती आकांक्षाओं और जटिलताओं को लगातार बढ़ाएगी। सीखने के तरीके बदल गए हैं, नया ज्ञान, नए कौशल और नवाचार हर दिशा में नए कार्य क्षेत्र खोल रहे हैं। यदि संभावनाएं नई हैं तो समस्याएं भी नई हैं और उनके समाधान भी नए ही खोजने होंगे। जो देश नवाचार में पीछे रह जाएगा, वह भविष्य में हर दृष्टि से पिछड़ जाएगा।

इस बीच शिक्षित युवाओं की संख्या बढ़ी है, जिनमें से कुछ भाग्यशाली लोगों के लिए 'ग्रीन कार्ड' ने नई दुनिया के दरवाजे खोले हैं। उनके बाद वाले 'दो-तीन बीएचके और ईएमआइ की दुनिया' में शिफ्ट हो गए हैं, लेकिन अधिकांश युवा असहज हैं। उनके अंदर भविष्य के प्रति अनेक आशंकाएं और व्यवस्था पर बढ़ता अविश्वास बेचैन किए हुए है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करने वाली अधिकांश संस्थाएं अपनी साख खो चुकी हैं।

कठिन परिस्थितियों में प्रतियोगी परीक्षाओं की वर्षों तक तैयारी करने वाले शिक्षित युवा नहीं जानते कि कब पर्चा लीक हो जाए, नकल माफिया और साल्वर कब उनकी अपेक्षाओं पर पानी फेर दें। नियुक्तियों में ईमानदारी पर युवाओं को विश्वास नहीं रहा है। मंत्रियों और सेवा आयोगों के अध्यक्षों के घरों से करोड़ों की नकदी बरामद होती है, कुछ दिन चर्चा होती है और फिर अगली वैसी ही घटना होने तक सब शांत हो जाता है।

केंद्र और राज्य सरकारें अब नियुक्तियों में 'आउटसोर्सिंग' प्रणाली चलाकर उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं को जिस प्रकार के मानदेय पर अस्थायी नियुक्ति दे रही हैं, वह किसी को भी हताश और निराश कर सकता है। क्या किसी विश्वविद्यालय या नीति आयोग से जुड़ी संस्थाओं ने 'आउटसोर्सिंग' के बढ़ते दायरे पर कोई सर्वेक्षण किया है? उनके लिए नए कौशल सीखने और रोजगार के अवसर खोजने में सहायता देने की कोई योजना बनाई है? शिक्षा संस्थाएं और कौशल सिखाने वाले संस्थान अपेक्षित तेजी से अपनी कार्यसंस्कृति बदल नहीं पा रहे हैं। हर प्रकार के बदलाव और नीतियों में सामंजस्य बनाए रखने के लिए जिस स्तर के संवाद की अपेक्षा इस समय है, वह दूर-दूर तक संभव दिखाई नहीं देती। इस समय सकारात्मक दृष्टिकोण की संभावना को जहां-जहां ढूंढ़ा जा सकता है, उसमें शिक्षा ही सबसे पहले आती है, क्योंकि शिक्षा ही हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नीतियों में हो रहे परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। वैसे संसद को भी युवा वर्ग के संबंध में अपने उत्तरदायित्व को गहराई से परखना चाहिए। वर्ष 1789 से 1799 तक चली फ्रांसीसी क्रांति ने तीन शब्दों 'स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व' को विश्वव्यापी स्वीकार्यता प्रदान की। भारत के संविधान में इसे हर प्रकार से सुदृढ़ करने के प्रविधान किए गए, लेकिन हम व्यावहारिक स्तर पर तो केवल आंशिक रूप से ही सफल हो पाए हैं। नेता जाति समाप्त करने पर भाषण देते हैं, वादे करते हैं, लेकिन अधिकांश चुनाव जाति-वैविध्य के गणित पर ही लड़े जाते हैं। जीते या हारे, उसी की उधेड़बुन में डूबे रहते हैं।

निश्चित रूप से वे अपने को, मतदाताओं को और लोकतंत्र को सबसे अधिक हानि पहुंचाते हैं। यह दुर्भाग्य है कि वैशाली और लिच्छवी के गणतंत्रों का उदाहरण देने वाला भारत अपने व्यवहार में लोकतंत्र को केवल चुनाव-तंत्र तक सीमित कर रहा है। आरक्षण के प्रविधान का लाभ जब तीसरी पीढ़ी तक उठा चुके परिवार आगे भी उसका लाभ उठाना प्रारंभ कर देते हैं, तब समाज का वह वर्ग जो वंचित है, अत्यंत कष्टकर मानसिक स्थिति से गुजरता है। वह किसके पास जाए?

बराबरी लाने का सबसे सशक्त मार्ग शिक्षा ही है, लेकिन प्रारंभ से ही हर विद्यार्थी जान जाता है कि वह दो में से किस वर्ग में है- सरकारी या निजी स्कूल में? देश में गैर-बराबरी की जड़ें जमाने में यह विभेद सबसे बड़ा योगदान दे रहा है। युवाओं और नई पीढ़ी में विश्वास और आशावादिता तभी जन्म लेगी, जब देश का राजनीतिक वातावरण पक्ष और विपक्ष के भेद को इस संदर्भ में भुलाकर साझी समरसता के लिए एकजुट हो जाए। इस समय वातावरण में जो तल्खी कुछ जाने-पहचाने तत्वों द्वारा लगातार पैदा की जा रही है, वह उनके लिए ही नहीं, देश के लिए भी हानिकारक है। यह देश के युवाओं के भविष्य को भूलकर राजनीतिक हानि-लाभ को प्राथमिकता देने के अतिरिक्त कुछ नहीं है।

आंतरिक प्रकाश में लीन होने से, आत्मा भीतर मौजूद सच्चाइयों के प्रति जागृत हो उठती है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जीवनदायिनी दवा बनी हुई है मौत की वजह

किसी बीमारी में दवा जीवनदायिनी हो सकती है। ऐसे में मरीज की जान बचाने के लिए उसके परिजन दवा का बंदोबस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। मगर जब कोई दवा ही मौत का कारण बन जाए, तो इसे लापरवाही या जान से खिलवाड़ नहीं तो और क्या कहा जाएगा! मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ है, जहां खांसी की दवा से कई बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इन मामलों की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया गया है।

इसके अलावा, एक चिकित्सक को गिरफ्तार और कुछ अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। साथ ही इस दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और संबंधित कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सवाल यह है कि ऐसी कार्रवाई के लिए अक्सर किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों किया जाता है? दवाओं की गुणवत्ता जांच नियमित तौर पर क्यों नहीं की जाती और जो दवाएं बच्चों के लिए प्रतिबंधित हैं, वे बाजार में बिना रोक-टोक कैसे बिक रही हैं?

देश में किसी दवा की वजह से कई जानें चली गईं

यह कोई पहली बार नहीं है कि देश में किसी दवा की वजह से कई जानें चली गईं। इससे पूर्व भी इस तरह के मामले

सामने आते रहे हैं। विडंबना यह है कि न तो सरकार एवं प्रशासन और न ही स्वास्थ्य संस्थानों एवं वहां कार्यरत अधिकारियों के स्तर पर ऐसी घटनाओं से कोई सबक लिया जाता है। मध्य प्रदेश में जिस चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है, उस पर आरोप है कि वह सरकारी सेवा में होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक में भी अपनी सेवाएं दे रहा था और बच्चों के लिए इस दवा के इस्तेमाल का परामर्श देता था। सवाल है कि आरोपी चिकित्सक के सरकारी सेवा के साथ निजी क्लीनिक में काम करने पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया? दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है किस दवा के विभिन्न आयु-वर्ग के मरीज पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं, इसकी जानकारी क्या चिकित्सकों को नहीं दी जाती है? या फिर चिकित्सक और दवा कंपनियों के बीच सांठगांठ से इस तरह का गोरखधंधा फल-फूल रहा है? सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

खबरों के मुताबिक, मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखकर वहां स्थित संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक विभाग ने अपनी जांच में इस दवा के निर्माण में मिलावट होने की पुष्टि की थी। जांच रपट में कहा गया कि इसमें 48.6 फीसद 'डायथिलीन ग्लाइकाल' पाया गया, जो जहरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है। सवाल है कि इस तरह की खतरनाक दवा को बाजार में बिक्री की अनुमति कैसे दे दी गई? क्या किसी दवा के बाजार में आने से पहले किया जाने वाला नमूना परीक्षण ही काफी है? अगर बाद में उस दवा के निर्माण में गुणवत्ता मानकों को दरकिनार किया जाता है और उसके सेवन से किसी की जान चली जाती है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? कायदे से बाजार में उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर जांच होनी चाहिए और गड़बड़ी मिलने पर जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लोगों की जान से खिलवाड़ न हो। इस बात के लिए भी जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है कि कोई बीमारी होने पर आम लोग चिकित्सकों की सलाह से ही दवा लें। साथ ही गरीब और वंचित तबकों की भी अच्छी चिकित्सा प्रणाली तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना सरकार का प्राथमिक दायित्व है।

तितलियों के पंखों पर 'पाउडर' जैसा पदार्थ क्या होता है?

जरा हट के

जी तितली के पंख बहुत महीन झिल्ली से बने हुए होते हैं, जिनमें बारीक नसों का जाल-सा होता है. ये महीन झिल्ली हजारों नन्ही-नन्ही पपड़ियों से भरी होती हैं. हर पपड़ी एक कोशिका का विस्तार होता है. जब आप तितली को पंख से पकड़ते हैं, तो आपके हाथ में जो पाऊडर जैसा पदार्थ आता है, वे ये पपड़ियां ही हैं. इसके दो उपयोग हैं. पहला यह कि वे पंखों को रंग प्रदान करती हैं और दूसरा उनकी रक्षा करती हैं.

पैरों से स्वाद लेना: तितलियों के पैरों में स्वाद ग्राही होती हैं, जिनकी मदद से वे पत्तों पर उतरकर सही पौधा पहचानती हैं और रस का स्वाद लेती हैं.

पराबैंगनी प्रकाश देखना: वे मनुष्यों की तुलना में पराबैंगनी प्रकाश भी देख सकती हैं, जिससे उन्हें फूलों और साथियों को ढूंढने में आसानी होती है.

श्रवण और कम्पन : तितलियां सुन नहीं सकतीं, लेकिन वे अपन आसपास के कम्पन को महसूस कर सकती हैं.

जीवन के चार चरण : तितली का जीवन चक्र चार चरणों में होता है- अंडा, लार्वा (कैटरपिलर), प्यूपा और वयस्क तितली.

रस चूसना : वयस्क तितलियां अपने मुंह की जगह एक सूंड का इस्तेमाल करती हैं, जिससे वे फूलों से रस चूसकर अपना भोजन करती हैं.

लम्बा सफर : कुछ तितली प्रजातियां, जैसे मोनार्क तितली, हर साल हजारों मील का सफर करती हैं.

परागण में सहायक : तितलियां फूलों से रस चूसते समय परागण में मदद करती हैं, जो पौधों के विकास के लिए बहुत आवश्यक होता है।

पर्यावरण संकेतक : तितलियों की आबादी बेहतर पर्यावरणीय परिस्थितियों का संकेत देती है, जिससे वे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य की सूचक बनती हैं.

खाना-खजाना

'पोहा नगेट्स'

सामग्री :

- पोहा (मोटा वाला): 1 कप
- उबले हुए आलू: 2 मीडियम साइज
- प्याज: 1 बारीक कटा हुआ
- हरी मिर्च: 1 बारीक कटी हुई
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 छोटा चम्मच
- धनिया पत्ती: 2 चम्मच बारीक कटी हुई
- बेसन: 2 चम्मच
- चावल का आटा: 2 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडर: आधा छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर: एक चौथाई छोटा चम्मच
- गरम मसाला: एक चौथाई छोटा चम्मच
- तेल: तलने के लिए

विधि :

सबसे पहले, पोहे को 2 मिनट के लिए पानी में भिगो दें और फिर छलनी में निकालकर उसका सारा पानी निचोड़ लें। इसके बाद पोहे

को हल्के हाथ से मैश कर लें। अब एक बड़े कटोरे में मैश किए हुए आलू और पोहा डालें। इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, अदरक-लहसुन का पेस्ट और सारे मसाले (नमक, लाल मिर्च, हल्दी, गरम मसाला) मिलाएं।

इसके बाद, इसमें बेसन और चावल का आटा डालकर सभी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स कर लें ताकि एक गाढ़ा मिश्रण बन जाए। अब अपने हाथों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और इस मिश्रण से छोटे-छोटे नगेट्स या टिक्की का आकार दें।

एक पैन में तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए तो आंच को मीडियम कर दें और नगेट्स को सुनहरा होने तक दोनों तरफ से तल लें। जब नगेट्स कुरकुरे और सुनहरे हो जाएं, तो उन्हें किचन पेपर पर निकाल लें ताकि एक्स्ट्रा तेल निकल जाए। गरमागरम पोहा नगेट्स को टोमेटो कैचप या हरी चटनी के साथ परोसें। यकीन मानिए, बच्चे तो इसे चट कर जाएंगे और बार-बार इसकी फरमाइश करेंगे।

मलेरिया होगा ही नहीं अगर कर लेंगे ये उपाय

इस बार देश से मॉनसून जाने का नाम नहीं ले रहे है. अक्टूबर का महीना शुरू हो चुका है और तेज बारिश हो रही है. कई राज्यों में अभी भी बाढ़ से हालात बने हुए हैं. पहाड़ों पर बर्फ बारी शुरू होने से अभी से ही हल्की ठंड महसूस होने लगी है. दिल्ली-एनसीआर की बात करें तो बारिश के कारण न सिर्फ तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, बल्कि बारिश के कारण मलेरिया और चिकनगुनिया के भी मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं. ऐसे में इन सभी मच्छर जनित रोगों से बचने के लिए आपको कुछ सावधानियां बरतनी होंगी. खासकर, मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए आप इसके लक्षणों को जानें और करें ये उपाय.

मलेरिया क्या है?

मायोक्लिनिक में छपी एक खबर के अनुसार, मलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जो एक परजीवी के कारण होती है. यह परजीवी संक्रमित मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है. मलेरिया होने पर व्यक्ति को कंपकंपी के साथ तेज बुखार होता है. यह बीमारी उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय देशों में कॉमन है. हर साल लगभग 2.9 करोड़ (290 मिलियन) लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं और 4 लाख से भी अधिक लोगों की इससे जान चली जाती है.

मलेरिया की रोकथाम

अगर आपके इलाके में मलेरिया बहुत कॉमन है, तो मच्छर के काटने से बचाव के उपाय अपनाएं. मच्छर शाम से लेकर सुबह तक सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं. अपने आप को मच्छर से बचाने के लिए आप निम्न उपाय अपना सकते हैं:

1. त्वचा को ढक कर रखें. लंबी बाजू वाली शर्ट और पैंट पहनें. शर्ट को पैंट में टक करें और पैंट की टांगों को मोज़े में डालें.

2. घर में मच्छरों को घुसने से रोकने के लिए मॉस्किटो रेपलेंट्स शाम के समय जरूर जलाएं. आप इन्हें आसानी से मार्केट से खरीद सकते हैं. खिड़की-दरवाजे शाम होने से पहले ही बंद कर दें. अच्छी कंपनी का रेपलेंट यूज करें, ताकि घर में मौजूद बच्चों, बुजुर्गों को इसकी स्मेल से कोई समस्या न हो.

3. Permethrin युक्त स्प्रे कपड़ों पर सुरक्षित रूप से लगाया जा सकता है. इससे मच्छर आपके आसपास भी नहीं फटकेंगे. डीईईटी (DEET) युक्त मच्छर भगाने वाली क्रीम या स्प्रे त्वचा पर लगाएं.

4. यदि आपके इलाके में बहुत मच्छर हैं, तो आप रात में सोने से पहले मच्छरदानी जरूर लगा लें. यह आपको सोते समय मच्छरों से बचाएगी.

5. घर के आसपास पानी जमा न होने दें. कूलर, पानी की टंकी की सफाई रेगुलर करें. घर के बाहर नालों की सफाई करवाएं. रुके हुए पानी में ये मच्छर पनपते हैं.

आज का राशिफल

मेष : नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। व्यापारिक निर्णय लेने में देर नहीं करें।

मिथुन : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूँजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें।

कर्क : क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं। परिवार में कलह-कलेश का माहौल रह सकता है।

सिंह : नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कन्या : मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अभिष्ट कार्य की सिद्धि के योग हैं। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

तुला : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी। प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें।

वृश्चिक : वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक प्रगति में रुकावट आ सकती है।

धनु : कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नेतृत्व गुण की प्रधानता के कारण प्रशासन व नेतृत्व संबंधी कार्य सफल होंगे। शत्रुओं से सावधान रहें।

मकर : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुंभ : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है। भाइयों की मदद मिलेगी। संपत्ति के लेनदेन में सावधानी रखें।

मीन : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ के योग हैं। स्थायी संपत्ति क्रय करने के योग बनेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भेंट होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मटर की फली आपके घर पर गमले में उगाने का ये तरीका अपनाएं

मात्र 40 दिन में पाएं ताजी देसी सब्जी

अभी तक आपने आपके घर पर फूल-फल और शोभा बढ़ाने वाले पौधे लगाए होंगे, लेकिन आज हम आपको ऐसे सब्जी वाले पौधे के बारे में बताने के लिए जा रहे हैं कि आपके घर पर 40 से 60 दिन ममें उस पर सब्जी लगना शुरू हो जाएगी. आपको कोई अधिक भी खर्च नहीं करना है. अब आपके घर पर गमले में ही उन्हें लगा सकते हैं, जिससे आपको देसी मटर मिलने लगेंगे मटर का पौधा आसानी से गमले में लग जाता हैं.

एक्सपर्ट अधिकारी ने दी जानकारी

लोकल 18 की टीम ने जब एक्सपर्ट कृषि अधिकारी मनोहर सिंह देवके से बात की, तो उन्होंने बताया कि आपको सबसे पहले, तो एक 12 से 16 इंच का गमला लेना है. उसे अच्छी मिट्टी से भरे एक-दो इंच गहरे गड्ढे में मटर के बीच गए और मिट्टी से ढक दे बीजों को अंकुरित होने तक नम रखें, लेकिन ज्यादा पानी न दें. गमले को रोज 8 घंटे की धूप वाली जगह पर रखें. करीब 20-25 दिन बाद जैविक खाद डालें और मटर के बीच से फली बनने तक उचित देखभाल करें. यदि आप इन बातों का पालन करते हैं तो आपके घर पर गमले में फली ही फली नजर आएगी.

बीज लगाए

अच्छी क्वालिटी के मटर के बीज ले और उन्हें गमले की मिट्टी में एक दो इंच गहराई में बो दे आप हर बीज को 2 से 6 इंच की दूरी पर लगा सकते हैं.

पानी दें

बीज बोने के बाद स्प्रे पंप या वाटरिंग कैन से अच्छी तरह से पानी दे ताकि मिट्टी गीली हो जाए.

जगह चुने

गमले को ऐसी जगह पर रखें जहां उसे रोज 6:00 से 8 घंटे की सीधी धूप मिले.

नमी बनाए रखें

बीच के अंकुरित होने तक मिट्टी को नम बनाए रखें. लेकिन ध्यान रहे कि गमले में ज्यादा पानी न जमा हो

खाद डालें

20 से 25 दिन बाद गमले में थोड़ी जैविक खाद मिलाइए जिससे पौधा जल्दी बड़ा होगा.

सहारा दें

जैसे-जैसे पौधे बड़े होने लगे उन्हें ऊपर चढ़ने के लिए सहारा दे जाली और खूंटे से बांध सकते हैं.

दिवाली की सफाई बनाएं मजेदार

रसोई का सबसे अहम हिस्सा गैस स्टोव होता है, लेकिन अगर बर्नर गंदे हों तो न सिर्फ रसोई का लुक खराब दिखता है, बल्कि गैस की लौ भी ठीक से नहीं जलती है. तेल, मसाले और खाने के छींटे धीरे-धीरे बर्नर पर जमकर कार्बन और चिकनाई की परत बना देते हैं. ऐसे में गैस की फ्लेम पीली या कमजोर हो जाती है. लेकिन, चिंता की बात नहीं इन घरेलू नुस्खों से आप अपने बर्नर को दोबारा चमका सकते हैं.

सबसे आसान और असरदार तरीका है बेकिंग सोडा और सिरका. एक कटोरी में बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा और सफेद सिरका मिलाएं. इस मिश्रण को बर्नर पर लगाकर 20-25 मिनट तक छोड़ दें. उसके बाद पुराने टूथब्रश या स्क्रबर से रगड़ें. गंदगी अपने आप निकल जाएगी और बर्नर नए जैसे चमकने लगेंगे.

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड तेल और जले दागों को हटाने में मदद करता है. नींबू को आधा काटें, उस पर थोड़ा नमक छिड़कें और बर्नर की सतह पर रगड़ें. कुछ मिनट बाद गर्म पानी से धो लें. यह तरीका जिद्दी दागों पर बेहद असरदार है और साथ ही गैस बर्नर से बदबू भी दूर करता है.

अगर बर्नर बहुत ज्यादा गंदा है, तो उसे कुछ देर के लिए गर्म पानी में डिश वॉश लिक्विड डालकर भिगो दें. करीब 30 मिनट बाद ब्रश

से साफ करें. इससे चिकनाई और तेल की परत आसानी से निकल जाती है.

आप चाहें तो पुराने टूथपेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. बर्नर पर टूथपेस्ट लगाकर कुछ देर छोड़ें और फिर ब्रश से साफ करें. इससे कार्बन के दाग हट जाते हैं और हल्की चमक भी लौट आती है.

हर दिन खाना बनाने के बाद अगर आप बर्नर को सूखे कपड़े से पोंछ लें और हफ्ते में एक बार इन नुस्खों से साफ करें, तो यह जले या जाम नहीं होंगे. यह उपाय अपनाकर आप आसानी से, बिना किसी खर्च या अधिक मेहनत के, गैस बर्नर साफ रख सकते हैं.

गैस बर्नर की सफाई मुश्किल नहीं है, बस नियमित ध्यान और सही घरेलू उपाय अपनाने की जरूरत है. इन आसान टिप्स से न सिर्फ आपका बर्नर चमकेगा, बल्कि रसोई भी साफ-सुथरी और हाइजीनिक बनी रहेगी.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

योगी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को ब्रेन हैमरेज, राहुल गांधी के खिलाफ लड़े थे चुनाव

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की योगी सराकर में मंत्री और लोकसभा चुनाव में रायबरेली से राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा की तरफ से मैदान में उतरने वाले दिनेश प्रताप सिंह को ब्रेन हैमरेज हुआ है। उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा है। दिनेश प्रताप सिंह को इलाज के लिए चार अक्टूबर को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने एमआरआई स्कैन कराया। इसमें ब्रेन हैमरेज की पुष्टि हुई। स्ट्रोक से उनके एक हाथ और एक पैर में चोट लगी है। परिवार के सदस्यों का कहना है कि मानसिक तनाव के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह पिछले दो महीनों से राजनीतिक तनाव में हैं। पहले कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने उन पर गंभीर आरोप लगाए। इसके बाद भाजपा विधायक अदिति सिंह ने भी उन्हें घेरा।

मासूम बच्ची के साथ तालाब में लगा दी छलांग

अयोध्या जिले के रुदौली कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। शुजागंज पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम जहांगीराबाद की ममता (30) ने अपनी दो वर्षीय बेटी पीहू के साथ गांव के तालाब में छलांग लगा दी। इस दृश्य को देख ग्रामीण और पड़ोसी तुरंत मौके पर दौड़े और दोनों को बचाने का प्रयास किया। हालांकि प्रयास विफल रहा और मामले की सूचना तुरंत कोतवाली रुदौली पुलिस को दी गई। दोनों का शव बरामद कर लिया गया है। तुरंत रेस्क्यू टीम और फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाकर तालाब में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने ममता और उसकी बेटी पीहू का शव तालाब से बरामद किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अयोध्या भेज दिया। इस घटना ने पूरे गांव में शोक और सदमे की स्थिति पैदा कर दी है।

'गुड बाय' का मैसेज भेज छात्र ने की खुदकुशी

बागपत. यूपी के बागपत से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक 12वीं के छात्र ने घर के भीतर फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी से पहले छात्र ने परिजनों के मोबाइल पर गुड बाय का मैसेज भेजा था। परिजनों का आरोप है कि युवक ने पुलिस उत्पीड़न से तंग आकर खुदकुशी की है। हंगामा करते हुए परिजनों ने पुलिस को शव को फंदे से नीचे उतारने भी नहीं दिया। पुलिस ने उसकी तलाश में कई बार घर में दबिश दी थी। यहां तक कि ग्रामीणों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। ये घटना रमाला क्षेत्र के किरठल गांव का है। यहां रहने वाले धर्मेंद्र का 19 साल का बेटा सन्नी 12वीं का छात्र था।

प्रशांत किशोर के साथ गठबंधन करेंगे चिराग पासवान?

- बिहार में नए समीकरण पर चर्चा तेज

पटना. क्या बिहार चुनाव में एक नया गठबंधन भी देखने को मिल सकता है? ऐसे कयास अचानक ही शुरू हो गए हैं क्योंकि चिराग पासवान एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर सहज नहीं हैं। इस बीच चर्चा है कि चिराग पासवान और प्रशांत किशोर के बीच गठबंधन हो सकता है। चिराग की लोक जनशक्ति पार्टी के सूत्रों के हवाले से एनडीटीवी की रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है। प्रशांत किशोर पहली बार चुनावी राजनीति में उतरे हैं और उन्हें भी एक ऐसे दल से गठबंधन की तलाश है, जिसका एक स्थिर और मजबूत वोटबैंक हो। वहीं बिहार और युवा फर्स्ट का नारा देने वाले चिराग को भी पीके में उम्मीदें दिख रही हैं।

खबर है कि चिराग पासवान ने भाजपा से 40 सीटों की मांग रख दी है। वहीं भाजपा सिर्फ 25 सीटों को देने पर ही राजी है। बीते साल हुए लोकसभा चुनाव का हवाला देते हुए चिराग पासवान ने यह मांग रखी है। उनका कहना है कि हमने लोकसभा चुनाव में 5 सीटों पर ही कैंडिडेट उतारे थे और सब पर जीत हासिल की थी। इसलिए हमारे स्ट्राइक रेट को ध्यान में रखते हुए ज्यादा सीटें दी जाएं। हालांकि जानकार मानते हैं कि भले ही कम सीटों पर चिराग को समझौता करना पड़े, लेकिन वह भाजपा से अलग होने का रास्ता मुश्किल ही अपनाएंगे। इसकी वजह है कि वह जिस स्ट्राइक रेट को गर्व से गिना रहे हैं, वह भाजपा के साथ रहकर ही हासिल हुआ था।

भाजपा का वोट उन्हें अच्छे से ट्रांसफर हुआ था और उसकी संख्या भी अधिक है। वहीं प्रशांत किशोर पहली बार चुनाव में उतर रहे हैं। उन्हें मतदान करने वालों की संख्या और किस सीट पर कितना दम है, यह क्लियर नहीं है। चिराग पासवान खुद को भविष्य में बिहार के सीएम के तौर पर देखते हैं। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि वह क्या राह अपनाते हैं।

भाजपा का चिराग को 25 सीट का ऑफर

फिलहाल दिल्ली में भाजपा के साथ एनडीए के दलों की टिकट बंटवारे पर मीटिंग चल रही है। 243 विधानसभा सीटों वाले बिहार में बहुमत का आंकड़ा 122 है। जानकारों का कहना है कि पीके के साथ गठबंधन की चर्चाएं शायद एलजेपी की ओर से ही फैलाई गई हैं ताकि टिकट बंटवारे के लिए भाजपा पर दबाव बनाया जा सके।

'रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हत्या'

- भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण
- दलित युवक की पीटकर हत्या
- मार खाते हुए राहुल का नाम लिया था

रायबरेली. रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा- दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है।

राहुल ने मंगलवार को X पर लिखा- संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने। लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा।

दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं।

इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार रात राहुल ने परिवार से फोन पर बात की थी। कहा था- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है।

इस मामले में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ साझा लेटर भी लिखा है। जिसे दोनों नेताओं ने X पर शेयर किया। इसमें लिखा है, 'रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़ी से कड़ी निंदा करती है।

हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है। इस देश और समाज पर कलंक है।'

अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में टाइप-7 बंगला अलॉट

- नया पता-95 लोधी एस्टेट
- CM आवास छोड़ने के बाद पार्टी सांसद के घर रहते थे

नई दिल्ली. दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में नया बंगला अलॉट हुआ है। इसका पता 95 लोधी एस्टेट है, ये टाइप 7 बंगला है। हालांकि AAP ने केजरीवाल के लिए टाइप-8 बंगले की डिमांड की थी।

पिछले साल 17 सितंबर को केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। 4 अक्टूबर को परिवार समेत 6, फ्लैग स्टाफ मार्ग स्थित सीएम हाउस (बंगला) खाली करके लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हुए थे। ये बंगला पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को अलॉट है। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के लिए सरकारी आवास का कोई प्रावधान नहीं है। इसी वजह से AAP ने अपनी नेता के लिए वैकल्पिक आवास के लिए कोर्ट का रुख किया था। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) से संपदा निदेशालय को केजरीवाल के लिए आधिकारिक आवास अलॉट करने की मांग की थी।

CJI पर जूता फेंकने वाले वकील बोले-जो किया, अफसोस नहीं

- दूसरे समुदाय के खिलाफ मामला आए तो चीफ जस्टिस बड़े स्टेप लेते हैं

नई दिल्ली. चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर कुमार ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा- CJI के भगवान विष्णु पर दिए बयान से मैं आहत हूं। उनके एक्शन (टिप्पणी) पर ये मेरा रिएक्शन था। मैं नशे में नहीं था। जो हुआ, मुझे उसका अफसोस नहीं, किसी का डर भी नहीं है।

उन्होंने कहा- यही चीफ जस्टिस बहुत सारे धर्मों के खिलाफ, दूसरे समुदाय के लोगों के खिलाफ केस आता है तो बड़े-बड़े स्टेप लेते हैं। उदाहरण के लिए- हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर विशेष समुदाय का कब्जा है, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर तीन साल पहले स्टे लगाया, जो आज तक लगा हुआ है। वहीं, इस घटना पर SC बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा- भगवान विष्णु की मूर्ति केस में CJI की टिप्पणी को गलत तरीके से दिखाया गया,

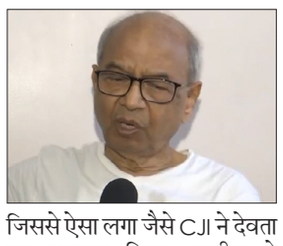

जिससे ऐसा लगा जैसे CJI ने देवता का अपमान किया। वकील ने मशहूर होने के लिए ऐसा किया।

दरअसल, 8 सितंबर की दोपहर CJI की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। तभी आरोपी ने CJI की तरफ जूता फेंका। हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत वकील को पकड़ लिया था।

3 घंटे पूछताछ के बाद पुलिस ने वकील को छोड़ा, बार ने निलंबित किया

जूता फेंकने वाले वकील को पुलिस ने सोमवार को हिरासत में लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट कैंपस में ही 3 घंटे पूछताछ की थी। पुलिस ने कहा कि SC अधिकारियों ने मामले में कोई शिकायत नहीं की। उनसे बातचीत के बाद वकील को छोड़ा गया। वहीं, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का लाइसेंस रद्द कर दिया है। उसका रजिस्ट्रेशन 2011 का है। इसके साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने भी आरोपी को तुरंत निलंबित कर दिया।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने ये आदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि यह वकीलों के आचरण, नियमों का उल्लंघन है। निलंबन के दौरान किशोर कहीं भी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। 15 दिनों में शो कॉज नोटिस भी जारी किया जाएगा।

मैथिली ठाकुर को अलीनगर से लड़ा सकती है बीजेपी

- बेनीपट्टी से विनोद नारायण झा का हटना मुश्किल?

पटना. बिहार चुनाव को लेकर पूरे राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। हाल ही में सुप्रसिद्ध गायिका मैथिली ठाकुर की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ हुई मुलाकात के बाद चर्चा तेज है कि बीजेपी मैथिली को मधुबनी या दरभंगा की किसी विधानसभा सीट से टिकट दे सकती है। बीजेपी नेताओं से मुलाकात के बाद लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने मंगलवार को अपने गृह क्षेत्र बेनीपट्टी से बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है।

मैथिली ने कहा कि उनका उनके गृह क्षेत्र से अलग ही जुड़ाव है और अगर वह अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत वहां से करेंगी तो वह बहुत कुछ सीख सकेंगी। मैथिली ने पिछले दिनों भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के संगठन प्रभारी विनोद तावडे और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से मुलाकात की थी। इसके बाद से उनके चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

बेनीपट्टी से विनोद नारायण झा का टिकट काटना आसान नहीं

अब भले ही मैथिली ठाकुर ने बेनीपट्टी (मधुबनी) से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है लेकिन यहां से मौजूदा विधायक विनोद नारायण झा का टिकट काटना बीजेपी के लिए आसान नहीं है। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि बीजेपी मैथिली ठाकुर को दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से टिकट थमा सकती है। विनोद नारायण झा जेपी आंदोलन के समय से बीजेपी से जुड़े हुए हैं। विनोद नारायण झा बीजेपी के दिग्गज दिवंगत नेता सुशील मोदी के करीबी भी रहे हैं।

इतना ही नहीं विनोद नारायण झा की गिनती यहां के दिग्गज नेताओं में होती है। वो बेनीपट्टी से दो बार विधायक और एक बार एमएलसी भी रहे हैं। उम्र के फैक्टर पर भी विनोद नारायण झा का पलड़ा ज्यादा कमजोर नजर नहीं आता है। विनोद नारायण झा अभी 68 साल के हैं और उनसे ज्यादा उम्र के नेता अभी बीजेपी में और सरकार में पद पर हैं।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में सीजन की पहली बर्फबारी

- हेमकुंड साहिब में 2-3 इंच स्नोफॉल
- राजस्थान में तापमान 12°C तक गिरा
- पंजाब-हरियाणा में बारिश का अलर्ट

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों के ऊंचे इलाकों में पिछले 24 घंटों से बर्फबारी जारी है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहब में मंगलवार को पहली बर्फबारी हुई। हेमकुंड साहिब में 2 और 3 इंच तक स्नोफॉल हुआ।

केदारनाथ में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग ने 7 अक्टूबर को भारी बारिश-बर्फबारी का रेड अलर्ट जारी किया है। इस वक्त चारधाम यात्रा का दूसरा दौर चल रहा है। रोज 5 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, चंबा और किन्नौर में भी बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ी राज्यों में अगले 2 दिन बारिश और बर्फबारी जारी रहने की संभावना है।

इधर, पंजाब-हरियाणा के लिए तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में अगले 36 घंटों तक लगातार बारिश हो सकती है। पंजाब के आठ जिलों पठानकोट, गुरदासपुर, जालंधर, लुधियाना और फिरोजपुर में बारिश होगी। हरियाणा के अंबाला, पंचकुला, कैथल, करनाल और हिसार समेत कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि 8 अक्टूबर के आसपास मौसम साफ हो जाएगा।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से भाई-बहन की मौत

लखनऊ. लखनऊ के ठाकुरगंज क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाई-बहन की मौत हो गई। न्यू हैदरगंज स्थित बजरंग नगर मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी, जिसमें श्वेता (23) और उनका भाई अतुल कुमार (21) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों के मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय श्वेता मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थी.

रणजी ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं ऋषभ पंत

- रोहन जेटली से रणजी खेलने की इच्छा जताई
- इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए थे

चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है।

TOI ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि पंत ने DDCA के प्रेसिडेंट रोहन जेटली से रणजी ट्रॉफी खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने जेटली से कहा है कि उन्हें 25 अक्टूबर से दिल्ली में होने वाले मैच तक फिट हो जाना चाहिए। हालांकि, पंत को BCCI की मेडिकल टीम से क्लीयरेंस लेना होगा।

28 साल के ऋषभ वर्तमान में बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में रिहैब कर रहे हैं। उनकी फिटनेस पर सेंटर के सूत्र ने कहा- 'अभी तक संभावना यही है कि 10 अक्टूबर तक उन्हें क्लीन चिट मिल जाएगी। इसी हफ्ते उनका निरीक्षण होगा।'

चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

ऋषभ पंत अपनी इंजरी के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी 2 मैचों की टेस्ट टीम से बाहर हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल और नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज का पहला मुकाबला भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों के अंतर से जीता था। टीम 1-0 से आगे है।

इंग्लैंड दौरे में मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन चोटिल हुए थे पंत

ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स ने यॉर्कर पंत के पंजे पर लगी। इस चोट के कारण वे 5 मैचों की सीरीज का आखिरी मैच नहीं खेल सके थे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी।

GSI रिपोर्ट में दावा- उत्तराखंड के पहाड़ खतरे में

- राज्य का 22% हिस्सा हाई लैंडस्लाइड जोन में
- केदारनाथ मार्ग पर 51 डेंजर जोन

देहरादून. उत्तराखंड के पहाड़ अब गंभीर खतरे में हैं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार राज्य का लगभग 22% हिस्सा हाई लैंडस्लाइड जोन में है। इसमें चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और उत्तरकाशी जिले हैं, जहां करीब 15 लाख लोग रहते हैं। यहां हर साल नई-नई दरारें, टूटती सड़कें व उफान मारती नदियां आपदा का संकेत देती रहती हैं। रिपोर्ट बताती है कि राज्य का 32% हिस्सा मीडियम और 46% हिस्सा कम खतरे में है। यानी करीब पूरा राज्य भूस्खलन की जद में है। भूस्खलन पर संसद में पेश रिपोर्ट में GSI ने 91,000 भूस्खलनों का डेटा जुटाया है।

केदारनाथ धाम तक का सफर भी अब बेहद खतरनाक हो गया है। रुद्रप्रयाग जिले में हाईवे पर 51 डेंजर जोन बन चुके हैं, जिनमें से 13 इस साल मानसून में बने हैं।

इस मानसून सीजन 120 लोगों की मौत

इस मानसून में प्रदेश को तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ, 120 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 150 लोग लापता हैं। पांच हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन इलाकों में ऑल वेदर रोड, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और बेकाबू निर्माण से खतरा और बढ़ रहा है।

वैज्ञानिक आकलन जरूरी

भूगर्भ वैज्ञानिक डॉ. एसपी सती कहते हैं- विकास योजनाओं का वैज्ञानिक आकलन जरूरी है। हिमाचल का 29% क्षेत्र भी उच्च भूस्खलन खतरे में है। लद्दाख और नागालैंड के 21-21% हिस्से पर भी यही संकट मंडरा रहा है। रिपोर्ट में सुझाव है कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें जोनिंग नियमों के तहत विकसित करें और ढलानों को स्थिर बनाने के उपाय किए जाएं।

दीदी जब तक हैं, पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे

- बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की 'सौगंध'

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पश्चिम बंगाल में कथा करने के लिए परमिशन नहीं मिलने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते वह पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। बाबा ने कहा जब तक बंगाल में दीदी हैं, वो वहां नहीं जाएंगे। दीदी की जगह जब दादा आएंगे, तब जरूर जाएंगे।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में हो रही कथा के मंच से धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, "अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था तो दीदी ने हमको मना कर दिया, परमिशन ही कैंसिल हो गई। दीदी जब तक हैं, तब तक पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। दादा आएंगे जब जाएंगे, पर भगवान करे कि दीदी बनी रहें। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन बुद्धि ठीक रखें और धर्म के खिलाफ न रहें।'

10 से 12 अक्टूबर तक कोलकाता में होनी थी कथा

दरअसल, 10 से 12 अक्टूबर तक कोलकाता में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का आयोजन होना था, लेकिन वहां बारिश का पानी भरने से पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा उनकी कथा करने की परमिशन रद्द कर दी गई। इससे उन्हें काफी बुरा लगा है।

गौरतलब है कि बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री अपनी कथाओं के मंच से हिंदुओं को एकजुट करने, हिंदू राष्ट्र बनाने पर खासा जोर देते हैं। वो साफ कहते हैं कि वह किसी राजनीतिक दल के पक्षधर नहीं है। वह हिंदू और हिंदुत्व के पक्ष में थे और रहेंगे।

आम सूचना

हम श्रीमती सुनू सिबी व श्रीमती बिनू जैकब सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 106, पहला माला, धर्म साई पैलेस, ओटी सेक्शन, फाटक रोड, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 37बीओ007598200) उक्त प्रॉपर्टी श्री जॉर्ज थोमस कुचूकौइल के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 6.10.2025 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनू सिबी व
श्रीमती बिनू जैकब

आम सूचना

हम श्रीमती सुनू सिबी व श्रीमती बिनू जैकब सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, ब्लॉक नं. 498 के पास, लाल चक्की रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ008911700) उक्त प्रॉपर्टी श्री जॉर्ज थोमस कुचूकौइल के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 6.10.2025 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनू सिबी व
श्रीमती बिनू जैकब

आम सूचना

हम श्री रविंद्र रामचंद्र सोनावणे व श्री अजय रामचंद्र सोनावणे व श्रीमती किरण विजय कापुरे अल्यास किरण रामचंद्र सोनावणे सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, सतनाम कालोनी, बैरक नं. 523 के पास, ईएसआयएस हास्पीटल रोड, हनुमान मंदिर के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 23बीओ016978200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कमल रामचंद्र सोनावणे के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 6.10.2025 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रविंद्र रामचंद्र सोनावणे व
श्री अजय रामचंद्र सोनावणे व श्रीमती किरण
विजय कापुरे अल्यास किरण रामचंद्र सोनावणे

आम सूचना

मैं श्री मयुर हजारीलाल चौरसिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, मद्रासी पाडा, ग्राउंड फ्लोर, जगजीवनराम नगर, उल्हासनगर रेलवे स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ009560300) उक्त प्रॉपर्टी श्री रुपचंद हजारीलाल चौरसिया से सेल एग्रीमेंट दि. 4.10.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मयुर हजारीलाल चौरसिया

संक्षेप...

ठाणे के कुछ इलाकों में गुरुवार को जलापूर्ति बंद रहेगी

ठाणे. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम की जलापूर्ति योजना के अंतर्गत, गुरुवार 9 को प्रातः 12:00 बजे से शुक्रवार10 को प्रातः 12:00 बजे तक 24 घंटे के लिए जलापूर्ति बंद रहेगी। ठाणे मनपा के अंतर्गत दिवा, मुंब्रा (वार्ड क्रमांक 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर) और कलवा वार्ड समिति के सभी क्षेत्रों और वागले वार्ड समिति के अंतर्गत रूपादेवी पाड़ा, किसाननगर क्रमांक 2, नेहरूनगर और मानपाड़ा वार्ड समिति के अंतर्गत कोलशेत खालचा गाँव में 9 को प्रातः 12:00 बजे से 10 को प्रातः 12:00 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। नागरिकों को ध्यान रखना चाहिए कि जलापूर्ति बहाल होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी का दबाव कम रहेगा।ठाणे मनपा के जल आपूर्ति विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे पानी कटौती के दौरान पानी का संयम से उपयोग कर मनपा का सहयोग करें।

कचरा ठेकेदार बिगाड़ रहे भिवंडी शहर की आबोहवा

- बगैर नंबर की भंगार गाड़ियों में हो रही कचरा ढुलाई
- मनपा अधिकारियो ने ठेकेदार के समक्ष टेके घुटने

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. मनपा प्रशासन द्वारा प्रतिमाह शहर स्वच्छता मद में करोड़ों रुपए खर्च के बाद भी भिवंडी में स्वच्छता मुहिम की धज्जियां उड़ रही है.भिवंडी मनपा के राजनीतिक कचरा ठेकेदारों के समक्ष प्रशासन बेबस हो गया है.बगैर नंबर और बेहद खस्ताहाल भंगार गाड़ियों में हो रही कचरा ढुलाई से शहर की आबोहवा प्रदूषित हो रही है. कचरा गाड़ियां जिस सड़क से गुजरती हैं वहां गुजरने वाले लोगों को बदबू के कारण मुंह पर रुमाल लपेटना पड़ता है.खस्ताहाल कचरा गाड़ियों के फटे साइलेंसर से निकलती कार्बन डाई ऑक्साइड गैस लोगों के मुंह में जाकर दमा का रोगी बना रही है.अधिकांश खुली गाड़ियों में होती कचरा ढुलाई से शहर में निरंतर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है.मनपा द्वारा प्रतिमाह कचरा ढुलाई ठेकेदारों को करीब 3 करोड़ का भुगतान करने के बाद शहर में स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं है.समाजसेवक एड परमेश्वर अंभोरे ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर और मनपा उपायुक्त (आरोग्य) विक्रम दराडे से खस्ताहाल,बगैर नंबर की कचरा गाड़ियों को कचरा ढुलाई कार्यों से फौरन हटाए जाने के निर्देश संबंधित ठेकेदारों को दिए जाने की मांग की है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा 1से 5 मनपा प्रभाग समिति में कचरा ढुलाई का ठेका ठेकेदारों को दिया गया है.

भिवंडी मनपा क्षेत्र अंतर्गत करीब 400 टन से अधिक सूखा,गीला कचरा रहिवासी

सोसाइटियों,दुकानों,होटलों एवं पावरलूम उद्योग से निकलता है.ठेकेदारों द्वारा ट्रक एवं घंटा गाड़ियों में भरकर कचरा ढुलाई कर डंपिंग ग्राउंड रामनगर चाविंद्रा में डाला जाता है. आश्चर्यजनक है कि,राजनीतिक आकाओं से संबंध रखने वाले सभी कचरा ढुलाई ठेकेदार मंडली मनपा द्वारा टेंडर में निर्धारित सभी नियम कानूनों को ठेंगा दिखाते हुए मनमानी तरीके से कचरा ढुलाई कार्यों को अंजाम देकर शहर की आबोहवा को बिगाड़ रहे हैं.समाजसेवी परमेश्वर अंभोरे का आरोप है कि, कचरा ढुलाई में लिप्त ठेकेदारों द्वारा ट्रैफिक नियमों को भी धत्ता दिखाते हुए बगैर नंबर प्लेट की खस्ताहाल गाड़ियों में डंपिंग ग्राउंड तक कचरा ढुलाई की जा रही है.खस्ताहाल गाड़ियों की कोई मेंटेनेंस नहीं होने से साइलेंसर फटा होता है जिससे इंजन द्वारा बाहर निकलने वाली कार्बन डाई ऑक्साइड प्रदूषित गैस से शहर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है.खस्ताहाल गाड़ियों के ब्रेक फेल होने से हादसे भी होते रहते हैं. भयंकर प्रदूषण की वजह से शहर के नागरिकों को स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होने से स्वास्थ्य समस्या गंभीर बन गई है. कचरा ढुलाई में लगी हुई अधिकांश ट्रकों,घंटा गाड़ी की हालत बेहद खस्ताहाल, जर्जर होने का खामियाजा शहर के नागरिक बीमार होकर चुका रहे हैं.

अधिकारी सब कुछ जानकर भी साधे हुए चुप्पी

मनपा प्रशासन द्वारा कचरा ढुलाई गाड़ियों संबंधित मेंटेनेंस आदि के बनाए गए तमाम नियमों का खुल्लमखुल्ला उलंघन कचरा ढुलाई ठेकेदारों की मंडली करते हुए शहर को प्रदूषित करने में जुटी है .अधिकांश कचरा ढुलाई में लगी गाड़ियां स्क्रैप होने की दशा में होने के बाद भी ठेकेदारों द्वारा पैसा कमाने के लिए ट्रैफिक,मनपा को गुमराह कर शहर के लाखों नागरिकों के हेल्थ के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है .आरोप है कि,मनपा आरोग्य विभाग के अधिकारी सब कुछ जान समझकर भी ठेकेदारों से पैसे की उगाही कर रहे हैं और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली से आंखे बंद किए हुए है .

रोहन घुगे का जलगाँव के जिला कलेक्टर के पद पर स्थानांतरण

- ठाणे जिला परिषद की विकास यात्रा में बहुमूल्य योगदान

ठाणे. जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे (भाप्रसे) का जलगाँव के जिला कलेक्टर के पद पर स्थानांतरण हुआ है। ठाणे जिला परिषद में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई नवीन और जनोन्मुखी पहलों को क्रियान्वित करके विकास को एक नई दिशा दी है।पिछले कुछ महीनों में, उनके नेतृत्व में, जिला परिषद ठाणे ने डिजिटल प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, जनोन्मुखी, गतिशील और पारदर्शी शासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।इस कार्यकाल के दौरान, महाराष्ट्र सरकार और भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित 'कार्यालय मूल्यांकन - 100-दिवसीय कार्य योजना' के अंतर्गत ठाणे ज़िला परिषद राज्य में प्रथम स्थान पर रही।

शक्ति बिल्डर पर नियमों के खिलाफ निर्माण कार्य करने पर कसा शिकंजा

- डायनामाइट ब्लास्ट से पत्थर खुदाई की पुलिस करेंग जांच

भिवंडी. अशोक नगर में बिल्डिंग निर्माण में जुटे शक्ती बिल्डर एंड डेवलपर पर शासन द्वारा बिल्डिंग निर्माण हेतु निर्धारित मापदंड का उल्लंघन कर डायनामाइट ब्लास्ट कर पत्थर तोड़कर खुदाई का मामला उजागर हुआ है. डायनामाइट ब्लास्ट से विगत नवंबर माह में लगातार 3 दिनों तक की गई पत्थर खुदाई के कारण जमीन में भयंकर कंपन होने से नजदीक की इमारत में दरार आने से रहिवासी आगामी खतरे को लेकर भयभीत हो गए थे.जन सुरक्षा की दृष्टि से इमारत रहिवासियों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के कर व प्रशासकीय अधिकारी जगदीश देवकर ने मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए हैं.

गौरतलब हो कि,भिवंडी शहर के पाश एरिया अशोक नगर में शक्ती बिल्डर एंड डेवलपर द्वारा भूमंजिला बिल्डिंगों का निर्माण कार्य 1 वर्ष से शुरू किया गया है.आरोप है कि,शक्ती बिल्डर द्वारा बहुमंजिला इमारत निर्माण हेतु जमीन की खुदाई के दौरान पत्थर मिलने पर डायनामाइट ब्लास्ट से खुदाई को अंजाम दिया गया. डायनामाइट ब्लास्ट की पुष्टि क्षेत्रीय सहायक आयुक्त (प्रभाग क्रमांक 2) माणिक जाधव ने भी की है. डायनामाइट ब्लास्ट कर जमीन से पत्थर निकाले जाने की खातिर हुई खुदाई के कारण हुए जोरदार कंपन की वजह से नजदीक की बिल्डिंग की दीवारों,पिलर में दरार दिखाई पड़ने लगी है.खुदाई स्थल से कुछ दूरी स्थित रहिवासी बिल्डिंग की दीवार में अचानक पड़ी दरार से खतरे की आशंका देखते हुए नजदीक (बिल्डिंग नंबर 22) प्रभु कुंज निवासी अभिषेक कोठरी सहित आसपास की इमारतों में रहने वाले तमाम लोगों ने मनपा प्रशासक,मंत्रालय नगर विकास सहित जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त को शिकायत पत्र देकर शक्ती बिल्डर एंड डेवलपर की निर्माण संबंधी मनमानी की शिकायत कर जांच की मांग की थी. अशोक नगर निवासी शिकायतकर्ताओं ने शीर्ष अधिकारियों से बिल्डर के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की है.जिलाधिकारी कार्यालय के पत्र पर संज्ञान लेते हुए भिवंडी मनपा उपायुक्त (अतिक्रमण) विक्रम दराडे ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को लिखितपत्र देकर फॉरेंसिक जांच संबंधित जरूरी कार्यवाही हेतु भेजा है.अशोक नगर में शुरू बिल्डिंग निर्माण कार्य स्थल के आसपास बिल्डिंगों में रहने वाले रहिवासियों की सुरक्षा की खातिर भिवंडी मनपा आपत्ति व्यवस्थापन प्रमुख साकिब एन खरबे ने लिखितपत्र देकर मनपा सहायक संचालक नगर रचना विभाग से शक्ती बिल्डर एंड डेवलपर की इमारत निर्माण की मंजूरी कापी मांगी है ताकि जरूरी एक्शन लिया जा सके.

मनपा ने ढहाया अनधिकृत निर्माण

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर तथा अपर आयुक्त विठ्ठल डाके के आदेश पर उपायुक्त (अनधिकृत निर्माण) विक्रम दराडे के मार्गदर्शन में अनधिकृत निर्माण पर तोड़क एक्शन शुरू है. लोकशाही दिवस पर नागरिकों की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मनपा वार्ड समिति क्रमांक 5 अंतर्गत रॉयल दरबार होटल के पास घर क्रमांक 1306/0 निज़ामपुरा में बिल्डर फरहान ज़हीरुद्दीन करनाले की 7 अनधिकृत दुकानों को मनपा कर्मियों की टीम ने निज़ामपुरा पुलिस के संरक्षण में पूरे अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन से तोड़कर धराशाई किया गया.उक्त अवसर पर सहायक आयुक्त सईद चिवने, बीट निरीक्षक हनुमान म्हात्रे सहित अन्य मनपा कर्मचारी उपस्थित थे.

ठाणे मनपा में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

ठाणे. अभिजात मराठी भाषा सप्ताह के अवसर पर, मनपा ने पुस्तक प्रदर्शनी एवं विक्रय का आयोजन किया है। यह प्रदर्शनी बुधवार, 8 अक्टूबर और गुरुवार, 9 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से शाम 6 बजे तक स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल मुख्यालय, पाचपखाड़ी में आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन बुधवार 8 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे होगा।इस प्रदर्शनी में साहित्य अकादमी, मैजेस्टिक बुक डिपो, ज्योत्सना प्रकाशन, अनघा प्रकाशन, शारदा प्रकाशन आदि के पुस्तक प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉल लगाए गए हैं। यह प्रदर्शनी सभी नागरिकों के लिए खुली है। मनपा 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक अभिजात मराठी भाषा सप्ताह मना रही है। इस सप्ताह के दौरान मनपा के स्कूलों में मराठी भाषा पर प्रश्नोत्तरी, भाषण और निबंध प्रतियोगिताएँ, गद्य और काव्य पाठ प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं।

डॉ. प्रशांत सिंनकर को 'निसर्ग रत्न' पुरस्कार से सम्मानित

- पर्यावरण संरक्षण के लिए आधी सदी से भी अधिक की निरंतर यात्रा

ठाणे. डॉ. प्रशांत रेखा रवींद्र सिनकर, जो आधी सदी से भी अधिक समय से पर्यावरण पत्रकारिता, जल संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और समाज में हरित विचारों का संचार कर रहे हैं, को 'निसर्ग रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मुंबई के माहिम स्थित तेंदुलकर सभागार में सारस्वत हितवर्धक मंडल के 101वें वार्षिकोत्सव समारोह में प्रदान किया गया।पिछले 25 वर्षों में, डॉ. प्रशांत सिनकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को उजागर किया है, जल संरक्षण में स्थानीय प्रयोगों को बढ़ावा दिया है, जैव विविधता के महत्व पर बल दिया है और आम नागरिकों में पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूकता पैदा की है। उनके संवेदनशील, सतत और प्रभावी कार्यों के सम्मान में, उन्हें *'निसर्ग रत्न पुरस्कार'* प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह सोफिया कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनघा तेंदुलकर पाटिल, बोर्ड अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंकर, डॉ. उल्हास तेंदुलकर, देवीदास सिंकर, दीपक मुले, राहुल साखलकर, डॉ. उल्हास तेंदुलकर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

पुरस्कार ग्रहण करते हुए, डॉ. प्रशांत सिनकर ने भावुक शब्दों में अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं: 'यह पुरस्कार मेरे लिए व्यक्तिगत गौरव का विषय नहीं है, बल्कि प्रकृति के लिए आवाज़ उठाने वाले प्रत्येक संवेदनशील नागरिक का सम्मान है। प्रकृति बचेगी तो ही हमारा भविष्य बचेगा। यह पुरस्कार आने वाली पीढ़ियों को हरित जीवन शैली अपनाने का निमंत्रण है।'

यह आशा व्यक्त की गई कि पर्यावरण संरक्षण के आंदोलन को नई दिशा देने वाला यह पुरस्कार उनके प्रयासों को नई गति प्रदान करेगा। सभागार में उपस्थित पर्यावरणविदों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने करतल ध्वनि से डॉ. सिंकर का अभिनंदन किया। उन्हें इससे पहले महाराष्ट्र सरकार सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 12 अक्टूबर को

ठाणे. सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा ठाणे मनपा क्षेत्र में 12 अक्टूबर 2025 को उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में, निर्धारित आयु के सभी बच्चों का टीकाकरण, नियमित एएफपी सर्वेक्षण और 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों की सुरक्षा के लिए पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। राज्य में 1995 से हर साल उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है।ठाणे मनपा के जन स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित सभी स्वास्थ्य केंद्रों में यह टीके निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं और ठाणे मनपा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे इसका लाभ उठाएँ और 0-5 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को पल्स पोलियो का टीका लगवाएँ।

ओपन ग्राउंड, ना कि MCA ग्राउंड

- मुंब्रा में स्पोर्ट्स काउंसिल की पहल

ठाणे. मुंब्रा स्पोर्ट्स काउंसिल और मुंब्रा-कोसा के युवाओं की ओर से को एक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला गया, जिसमें हजारों बच्चों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मार्च का उद्देश्य था । मुंब्रा के रिज़र्वेशन ग्राउंड को मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को देने के फैसले का विरोध करना और यह मांग उठाना कि यह जमीन मुंब्रा के बच्चों और युवाओं के लिए खुले सार्वजनिक मैदान (Open Ground) के रूप में रखी जाए। मार्च के दौरान पूरा इलाका गूंज उठा नारों से "मुम्ब्रा को MCA ग्राउंड नहीं, ओपन ग्राउंड चाहिए!" स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष रशीद खान ने कहा "मुंब्रा के युवाओं के पास आज तक खेलने के लिए एक भी सही मैदान नहीं है। हमें MCA का निजी ग्राउंड नहीं, बल्कि ऐसा सार्वजनिक ग्राउंड चाहिए जो सबके लिए खुला हो। यहां की आबादी का बड़ा हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर है — जो स्कूल की फीस तक नहीं भर पाता, वो पैसे देकर MCA के ग्राउंड में कैसे खेलेगा?" इस पैदल मार्च ने मुम्ब्रा के लोगों में नई एकता और जोश पैदा किया है। अब सबकी निगाहें सरकार और प्रशासन पर टिकी हैं । क्या वे मुंब्रा के युवाओं की इस आवाज़ को सुनेंगे?

धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी से पूछताछ

- साढ़े 4 घंटे तक EOW के सवाल-जवाब
- पति राज कुंद्रा समेत 5 के बयान भी दर्ज

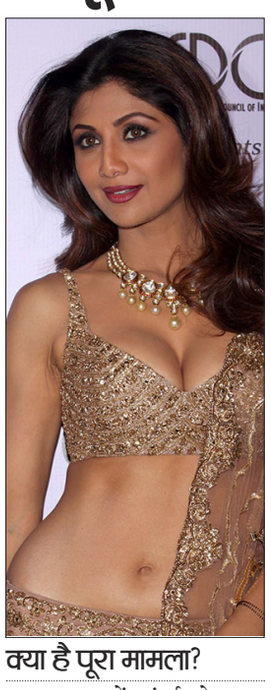

शिल्पा शेट्टी से 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में EOW (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग) की टीम ने पूछताछ की है। EOW की टीम करीब साढ़े 4 घंटे तक एक्ट्रेस से सवाल-जवाब करती रही। उनके अलावा शिल्पा के पति राज कुंद्रा का बयान भी दर्ज किया गया है। उनका नाम भी शिकायत में दर्ज है।

अफसरों ने शिल्पा और राज कुंद्रा समेत 5 लोगों के बयान लिए हैं। उनसे पूरे लेन-देन की जानकारी ली गई। ये पूछताछ शिल्पा शेट्टी के मुंबई स्थित घर में हुई थी। फिलहाल जांच टीम उस कंपनी का ब्योरा निकाल रही है, जिससे उस समय शिल्पा और राज जुड़े हुए थे।

इसी मामले में राज से बीते हफ्ते भी पूछताछ हुई थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि बेस्ट डील को दीपक कोठारी द्वारा दी गई रकम को बिपाशा बसु, नेहा धूपिया और प्रोड्यूसर एकता कपूर को बतौर प्रोफेशनल फीस दी जा चुकी थी।

क्या है पूरा मामला?

अगस्त में मुंबई के एक बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई है। दीपक कोठारी के मुताबिक, उनकी मुलाकात 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87% से ज्यादा शेयर थे।

सेक्स रैकेट का पर्दाफास

ठाणे. वरिष्ठ निरीक्षक वैशाली गोरडे के नेतृत्व में की गयी कार्रवाई के तहत ठाणे स्टेशन के पास एक सेक्स रैकेट का पर्दाफास हुआ है.पुलिस ने इस मामले में एक महिला दलाल को गिरफ्तार किया है जबकि इनके चंगुल से दो पीड़ित लड़कियों को मुक्त कराया है. एक सामाजिक संस्था के जरिये जानकारी मिली थी कि ठाणे रेलवे स्टेशन के नजदीक कुंजविहार वडा पाव के बगल स्थित एक मिसाल पाव की दुकान पर एक महिला एजेंट ग्राहकों को लडकियो के फोटो भेजकर जिस्मफरोशी के लिए लडकिया सप्लाई करने आने वाली है.

ब्रेन ट्यूमर के पांच मरीजों के ट्यूमर को नाक से निकालने मिली सफलता

ठाणे। हाइलैंड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ. चंद्रनाथ तिवारी ने एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया से नाक के रास्ते ट्यूमर निकालकर ब्रेन ट्यूमर के पांच मरीजों को जीवनदान दिया और उनकी दृष्टि लौटाई डॉ. चंद्रनाथ तिवारी ने बताया-पिट्यूटरी एडेनोमा हर साल दस लाख भारतीयों को प्रभावित करता है, जिससे सिरदर्द और दृष्टि संबंधी समस्याएं होती हैं. ठाणे स्थित हाइलैंड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने हाल ही में पांच मरीजों का सफलतापूर्वक ब्रेन ट्यूमर ऑपरेशन किया। यह ऑपरेशन नाक के रास्ते से किया गया, जिसे एंडोस्कोपिक एंडोनैसल पिट्यूटरी ग्लैंड ट्यूमर एक्सिशन सर्जरी कहा जाता है। इस तकनीक से न केवल ट्यूमर हटाया गया बल्कि मरीजों की दृष्टि भी बहाल की गई।

मुंबई. मुंबई की एक महिला ने सोशल मीडिया पर एक ब्लिंकिट डिलीवरी ब्वॉय पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए वीडियो साझा किया है। महिला का दावा है कि ऑर्डर डिलीवर करते समय डिलीवरी एजेंट ने पार्सल देते हुए उसकी छाती को छुआ, जिसके बाद उसने तुरंत पार्सल अपने सामने रख लिया।

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name from
MEENA SEVALMAL ROHRA
to now My New Name is
GEETA RAMCHAND HERANI
So all the public now call me
GEETA RAMCHAND HERANI

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name from
RAVI DEEPAKLAL SOHANDA
to now My New Name is
RAVI DEEPAK SOHANDA
So all the public now call me
RAVI DEEPAK SOHANDA

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099